Divine Family

The theme for the year 2019-20 ‘God’s Power for Golden Age’was launched at Brahma Kumaris HQ, Shantivan Campus on Saturday, 25th May 2019 at 6.30 pm in our magnificent Diamond Hall. It was launched by the First Lokpal of India, Hon’ble Justice Mr Pinaki Chandra Ghose. Please see the concept folder of the launching program attached herewith.

नैतिकता और ईमानदारी मनुष्य की असली निधि, इससे समाज में सुधार सम्भव-घोष
डायमंड हॉल में परमात्म ज्ञान से नया युग विषय की भव्य लांचिंग

आबू रोड, 26 मई, निसं। समाज की जड़ में यदि भ्रष्टाचार का दीमक लगा है तो इससे समाज की तरक्की कभी नहीं होगी। बल्कि लगातार खोखला होता जायेगा। नैतिकता और ईमानदारी यदि समाज में आ जाये तो निश्चित तौर पर समाज में सुधार सम्भव है। उक्त उदगार **देश के पहले लोकपाल पिनाकी चन्द्र घोष** ने व्यक्त किये। वे ब्रहमाकुमारीज संस्था के शांतिवन में आयोजित वार्षिक थीम की लांचिंग कार्यक्रम पर में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि जहॉ मूल्य है वहॉ अपराध और अनैतिकता नहीं है। वैसे भी मनुष्य का पहल कत्र्तव्य एक अच्छा परिवार और समाज बनाना है। ब्रहमाकुमारीज संस्थान समाज की बेहतरी के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। हजारों लाखों लोगों ने अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव किया है। पर्यावरण के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए भी कार्य कर रहा है जो समय की मांग है।

इस अवसर पर **ब्रहमाकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निर्वैर** ने कहा कि हमारे समाज में यदि भौतिक तरक्की के साथ आध्यात्मिक तरक्की को प्राथमिकता दी जाये तो इससे हम वर्तमान समाज की रूपरेखा को बदल सकते हैं। इसलिए यह प्रयास करना जरूरी है।

समारोह में **ब्रहमाकुमारीज संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय** ने कहा कि भयमुक्त समाज की परिकल्पना परमात्मा शक्ति से ही सम्भव होगी। परमात्मा शिव नयी दुनिया बना रहा है। वह नयी दुनिया होगी जिसमें किसी भी प्रकार की कोई अव्यवस्था नहीं होगी।

कार्यक्रम में कार्यक्रम में **राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग के पूर्व अध्यक्ष जस्टिस वी ईश्वरैय्या तथा कार्यक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी** कहा कि हमारा देश सोने की चिड़िया कहा जाता था। वैसे ही दुनिया नयी बनानी है। इसलिए हमे अपने जीवन में मूल्यों को अपनाना है। इसके पश्चात अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन **बीके शिविका** ने किया।